ग्यारहवां अखिल भारतीय अणुव्रत नैतिक गीत गायन प्रतियोगिता संपन्न

प्रमाणिकता के बिना समाज व्यवस्था अच्छी नहीं : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 31 अक्टूबर, 2010

जो व्यक्ति सच्चाई को स्वीकार नहीं करता, झूठ बोलता रहता है उसे परलोक की चिंता नहीं रहती वह मृषावादी व्यक्ति होता है। सच्चाई प्रमाणिकता के बिना समाज व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है।

उक्त विचार आचार्य महाश्रमण ने तीन दिवसीय गांधी विद्या मंदिर प्रवास के दौरान आज अणुव्रत नैतिक गीत गायन प्रतियोगिता समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आदमी में सच्चाई का विकास होना चाहिए, जहां सत्य है वहां विश्वास स्थापित होता है, देवता भी सत्य की आराधना करते हैं, सत्य के प्रभाव से शरीर को वश में किया जा सकता है। झूठ को बड़ा पाप माना गया है। जहां सच्चाई है वहां प्रभुता का आगमन होता है।

अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल ने अपने विचार व्यक्त किया।

अणुव्रत गीत गायन प्रतियोगिता में लगभग 13 राज्यों से 413 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इन प्रतियोगता में एकल गायन कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान दिल्ली की वैंकेटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल की वैष्णवी त्यागी रही, द्वितीय स्थान मुंबई की सौरभ जोशी। एकल गायन वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान कोटा की हिमांशी जोशी। कनिष्ठ वर्ग समूह गायन में दिल्ली की डी.ए.वी. स्कूल रही, द्वितीय उज्जैन की स्टैण्डफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल रही।

इस अवसर पर अणुव्रत न्यास के ट्रस्टी सज़्मत नाहटा, धनराज बोथरा, सुशील जैन, विजय वर्द्धन डागा ने गायन प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को प्रतिक चिन्ह, प्रमाण पत्र व चैक प्रदान किया।

चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ ने गांधी विद्या मन्दिर के अध्यक्ष कनकमल दुगड़ को प्रतिक चिन्ह भेंट कर सज़्मान किया एवं आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद घोड़ावत ने किया।

विदेशियों ने भावपूर्ण आचार्य महाप्रज्ञ को याद किया

सरदारशहर 31 अक्टूबर, 2010 आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में चलने वाली प्रेक्षाध्यान कार्यशाला में 27 व्यक्तियों के समूह ने भाग लिया, जिसमें प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल, मुनि कुमार श्रमण, मुनि जयकुमार ने प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाये। ज्ञातव्य है कि 29 अक्टूबर से 1 नवज़्बर तक चलने वाली इस कार्यशाला में आए प्रतिभागी प्रतिवर्ष चतुर्मासकाल में आते हैं। आज यह ग्रुप आचार्य महाप्रज्ञ की समाधि स्थल पर जाकर आचार्य महाप्रज्ञ को श्रद्धाभाव से याद किया उन्होंने समाधि पर जाकर मौन रखा जिसमें कई विदेशियों की आंखे भर आई।

रसिय से समागत ग्रुप लीडर गेलीना ने बताया कि पहले जब हम आते तो आचार्य महाप्रज्ञ का आशीर्वाद मिलता और वे हमारा ध्यान रखते इसी तरह आचार्य महाश्रमण का वात्सल्य हमें बराबर मिलता रहे।

आंचलिक कन्या कार्यशाला सज़्पन्न

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के निर्देशन में 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर जैन श्वेताज़्बर तेरापंथ महिला मण्डल सरदारशहर द्वारा आंचलिक कन्या कार्यशाला 'उजाला' का आयोजन हुआ। बी.एन. ग्रुप सरदारशहर-गुवाहाटी के सौजन्य से चलने वाली कार्यशाला में 29 अक्टूबर को मंगलाचरण सरदारशहर कन्या मण्डल द्वारा कार्यशाला प्रारंभ हुई। उद्घाटन व उपसंपदा वाचन मुज़्य ट्रस्टी अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल सुशीला पटावरी द्वारा किया गया। मुज़्य अतिथि शारदा डागा, पुखराज बैंगानी, सायर बैंगानी रहे। प्रथम दिन स्वागत सत्र में कन्या मण्डल प्रभारी संगीता चिण्डालिया व कन्या मण्डल संयोजिका रीतिका दुगड़ ने समस्त आगतुंकों का स्वागत किया। रात्रि कालीन सत्र में 'उजाले की तैयारी जाने अपने आप को' में श्रीमती नेकता पींचा ने प्रोजेक्ट के साथ तथा साध्वी कल्पलता व लक्ष्य प्रभा ने प्रशिक्षण प्रदान किया। द्वितीय दिवस को कार्यशाला का विषय 'उजाले का विश्वास कामयाबी का प्रयास' के बारे में साध्वी प्रमुखा ने अपने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए उन्होंने कहा - 'हम सज़्पन्न बने अीं से ही नहीं ज्ञान, चारित्र व आस्था से सज़्पन्न बने।' लेखक व साहित्यकार प्रदीप चौपड़ा के कुछ प्रेरणास्पद कथाओं के माध्यम से भलाई की सार्थकता के बारे में आज़्यान दिया। गुरुदेव ने कन्याओं को प्रेरणा देते हुए कहा अच्छे कार्य में कर्मठता हो। आलस्य विकास का बाधक तत्व है। न्याय में आस्था हो, अन्यायपूर्ण कार्य व व्यवहार न हो न उचित कार्य। रंगीला प्रतियोगिता में रजनी दूगड़ सरदारशहर ने प्रथम, सुगन्धा जैन सरदारशहर, सानू भूरा नोखा ने द्वितीय तथा आतीशा नौलखा सरदारशहर जयश्री बांठिया बीदासर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीसरे दिन समापन सत्र में साध्वी कल्पलता, मुज़्य नियोजिका विश्रुतविभा ने अपना प्रेरणामयी आज़्यान दिया और उजाला तभी प्राप्त होगा जब हम यथार्थ की धरती से जुड़े रहेंगे। प्रमुखाश्री ने अपने प्रेरणा पाथेय में कहा - सपने कभी पूरे नहीं होते, संकल्प पूरे होते हैं।

महिला मण्डल सरदारशहर की अध्यक्षा सूरज बरड़िया व कन्या मण्डल संयोजिका रीतिका दूगड़ ने सब आगन्तुकों का धन्यवारद ज्ञापित किया।